Name: _____ Date: _____

बस की यात्रा

प्रश्न-1 “लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते।” लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

_____

प्रश्न-2 आशय स्पष्ट कीजिए-.

'गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।'

'अगर इसका प्राणांत हो गया तो इस बियाबान में हमें इसकी अंत्येष्टि करनी पड़ेगी।'

उत्तर _____

_____

_____

_____

_____

_____

https://educationwithfun.com

बस की यात्रा

प्रश्न-1 “लोगों ने सलाह दी कि समझदार आदमी इस शाम वाली बस से सफ़र नहीं करते।” लोगों ने यह सलाह क्यों दी?

उत्तर बस की हालत बहुत खराब थी। उसका सारा ढाँचा बुरी हालत में था, अधिकतर शीशें टूटे पड़े थे। इंजन और बस की बॉडी का तो कोई तालमेल नहीं था। बस का कोई भरोसा नहीं था कि यह कब और कहाँ रूक जाए, शाम बीतते ही रात हो जाती है और रात रास्ते में कहाँ बितानी पड़ जाए, कुछ पता नहीं रहता। कई लोग पहले भी उस बस से सफ़र कर चुके थे। वो अपने अनुभवों के आधार पर ही लेखक व उसके मित्र को बस में न बैठने की सलाह दे रहे थे। उनके अनुसार यह बस डाकिन की तरह थी।

प्रश्न-2 आशय स्पष्ट कीजिए-.

'गज़ब हो गया। ऐसी बस अपने आप चलती है।'

'अगर इसका प्राणांत हो गया तो इस बियाबान में हमें इसकी अंत्येष्टि करनी पड़ेगी।'

उत्तर 'गज़ब हो गया, ऐसी बस अपने आप चलती है।' यह बात लेखक ने बस कंपनी के हिस्सेदार से बस में सवार होने से पहले कही क्योंकि बस अत्यधिक पुरानी और खटारा दिखाई दे रही थी।

'अगर इसका प्राणांत हो गया तो इस बियाबान में हमें इसकी अंत्येष्टि करनी पड़ेगी।' इस कथन के माध्यम से लेखक ने खराब बस पर व्यंग किया है। यदि खटारा बस सुनसान रास्ते पर चलते - चलते अचानक खराब हो गई तो यात्रियों को बड़े संकट का सामना करना पड़ेगा।

https://educationwithfun.com